

Language Code : **04**

इस पुस्तिका में 20 मुद्रित पृष्ठ हैं।
This booklet contains 20 Printed pages.

FSC-26-II

प्रश्न-पत्र-II / PAPER-II

बंगाली भाषा परिशिष्ट

Bengali Language Supplement

भाग-IV & V / PART-IV & V

मुख्य परीक्षा पुस्तिका संख्या / Main Test Booklet No.

इस परीक्षा पुस्तिका को तब तक न खोलें जब तक कहा न जाए।

Do not open this Test Booklet until you are asked to do so.

इस परीक्षा पुस्तिका के पिछले आवरण (पृष्ठ 19 व 20) पर दिए निर्देशों को ध्यान से पढ़ें।

Read carefully the Instructions on the Back Cover (Page 19 & 20) of this Test Booklet.

मुख्य परीक्षा पुस्तिका कोड / Main Test Booklet Code

J

बंगाली में निर्देशों के लिए इस पुस्तिका का पृष्ठ 2 देखें / FOR INSTRUCTIONS IN BENGALI SEE PAGE 2 OF THIS BOOKLET.

परीक्षार्थियों के लिए निर्देश

1. यह पुस्तिका मुख्य परीक्षा पुस्तिका की एक परिशिष्ट है, उन परीक्षार्थियों के लिए जो या तो भाग IV (भाषा I) या भाग V (भाषा II) बंगाली भाषा में देना चाहते हैं, लेकिन दोनों नहीं।
2. परीक्षार्थी भाग I एवं भाग II या III के उत्तर मुख्य परीक्षा पुस्तिका से दें और भाग IV व V के उत्तर उनके द्वारा चुनी भाषाओं से।
3. अंग्रेजी व हिन्दी भाषा पर प्रश्न मुख्य परीक्षा पुस्तिका में भाग IV व भाग V के अन्तर्गत दिए गए हैं। भाषा परिशिष्टों को आप अलग से माँग सकते हैं।
4. इस पृष्ठ पर विवरण अंकित करने एवं OMR उत्तर पत्र पर निशान लगाने के लिए केवल काले/नीले बॉल पॉइंट पेन का प्रयोग करें।
5. इस भाषा पुस्तिका का संकेत है **J**। यह सुनिश्चित कर लें कि इस भाषा परिशिष्ट पुस्तिका का संकेत, OMR उत्तर पत्र के पृष्ठ-2 एवं मुख्य परीक्षा पुस्तिका पर छपे संकेत से मिलता है। अगर यह भिन्न हो, तो परीक्षार्थी दूसरी भाषा परिशिष्ट परीक्षा पुस्तिका लेने के लिए निरीक्षक को तुरन्त अवगत कराएँ।
6. इस परीक्षा पुस्तिका में दो भाग IV और V हैं, जिनमें 60 वस्तुनिष्ठ प्रश्न हैं, जो प्रत्येक 1 अंक का है :
भाग-IV : भाषा-I (बंगाली) (प्र. 91 से प्र. 120)
भाग-V : भाषा-II (बंगाली) (प्र. 121 से प्र. 150)
7. भाग-IV में भाषा-I के लिए 30 प्रश्न और भाग-V में भाषा-II के लिए 30 प्रश्न दिए गए हैं। इस परीक्षा पुस्तिका में केवल बंगाली भाषा से संबंधित प्रश्न दिए गए हैं। यदि भाषा-I और/या भाषा-II में आपके द्वारा चुनी गई भाषा(एँ) बंगाली के अलावा है तो कृपया उस भाषा वाली परीक्षा पुस्तिका माँग लीजिए। जिन भाषाओं के प्रश्नों के उत्तर आप दे रहे हैं वह आवेदन पत्र में चुनी गई भाषाओं से अवश्य मेल खानी चाहिए।
8. परीक्षार्थी भाग-V (भाषा-II) के लिए, भाषा सूची से ऐसी भाषा चुनें जो उनके द्वारा भाषा-I (भाग-IV) में चुनी गई भाषा से भिन्न हो।
9. रफ कार्य परीक्षा पुस्तिका में इस प्रयोजन के लिए दी गई खाली जगह पर ही करें।
10. सभी उत्तर केवल OMR उत्तर पत्र पर ही अंकित करें। अपने उत्तर ध्यानपूर्वक अंकित करें। उत्तर बदलने हेतु श्वेत रंजक का प्रयोग निषिद्ध है।

INSTRUCTIONS FOR CANDIDATES

1. This booklet is a supplement to the Main Test Booklet for those candidates who wish to answer EITHER Part IV (Language I) OR Part V (Language II) in BENGALI language, but NOT BOTH.
2. Candidates are required to answer Part I and Part II OR III from the Main Test Booklet and Parts IV and V from the languages chosen by them.
3. Questions on English and Hindi languages for Part IV and Part V have been given in the Main Test Booklet. Language Supplements can be asked for separately.
4. Use **Black/Blue Ball Point Pen only** for writing particulars on this page/ marking responses in the OMR Answer Sheet.
5. The CODE for this Language Booklet is **J**. Make sure that the CODE printed on **Side-2** of the OMR Answer Sheet and on your Main Test Booklet is the same as that on this Language Supplement Test Booklet. In case of discrepancy, the candidate should immediately report the matter to the Invigilator for replacement of the Language Supplement Test Booklet.
6. This Test Booklet has **two** Parts, IV and V, consisting of **60** Objective Type Questions, each carrying 1 mark :
Part-IV : Language-I (Bengali) (Q. 91 to Q. 120)
Part-V : Language-II (Bengali) (Q. 121 to Q. 150)
7. Part-IV contains 30 questions for Language-I and Part-V contains 30 questions for Language-II. In this Test Booklet, only questions pertaining to Bengali language have been given. **In case the language/s you have opted for as Language-I and/or Language-II is a Language other than Bengali, please ask for a Test Booklet that contains questions on that language. The language being answered must tally with the languages opted for in your Application Form.**
8. **Candidates are required to attempt questions in Part-V (Language-II) in a language other than the one chosen as Language-I (in Part-IV) from the list of languages.**
9. Rough work should be done only in the space provided in the Test Booklet for the same.
10. The answers are to be recorded on the OMR Answer Sheet only. Mark your responses carefully. No whitener is allowed for changing answers.

परीक्षार्थी का नाम (बड़े अक्षरों में) : _____

Name of the Candidate (in Capitals) : _____

अनुक्रमांक : (अंकों में) / Roll Number : in figures _____

: शब्दों में / in words _____

परीक्षा केन्द्र (बड़े अक्षरों में) : _____

Centre of Examination (in Capitals) : _____

परीक्षार्थी के हस्ताक्षर : _____

निरीक्षक के हस्ताक्षर : _____

Candidate's Signature : _____

Invigilator's Signature : _____

Facsimile Signature Stamp of

Centre Superintendent : _____



Language Code : **04****FSC-26-II**

মুখ্য পরীক্ষা পুস্তিকা কোড

J

বর্তমান পুস্তিকাটি 20 পৃষ্ঠা সমন্বিত

প্রশ্ন পত্র-II
বাংলা ভাষা পরিশিষ্ট
ভাগ-IV & V

যতক্ষণ পর্যন্ত না বলা হবে, ততক্ষণ পর্যন্ত পরীক্ষা পুস্তিকাটি খুলবেন না।

পরীক্ষা পুস্তিকাটির পিছনের আবরণীতে (পৃষ্ঠা 19 এবং 20) মুদ্রিত নির্দেশগুলি মন দিয়ে পড়ুন।

পরীক্ষার্থীদের প্রতি নির্দেশ :

- যে সব পরীক্ষার্থী বাংলা ভাষায় ভাগ IV (ভাষা I) (Part IV, Language I) অথবা ভাগ V (ভাষা II) (Part V, Language II) -এর কিন্তু দুটিরই নয় - উত্তর দিতে চান, তাঁদের জন্য এই পুস্তিকাটি মুখ্য পরীক্ষা পুস্তিকার একটি পরিশিষ্ট বিশেষ।
- পরীক্ষার্থীরা ভাগ I, II, III -এর উত্তর মুখ্য পরীক্ষা পুস্তিকা থেকে দেবেন এবং ভাগ IV এবং V -এর উত্তর তাদের নিজেদের নির্বাচিত ভাষার থেকে দেবেন।
- ইংরেজি এবং হিন্দি ভাষার উপর প্রশ্ন মুখ্য পরীক্ষা পুস্তিকার ভাগ IV এবং ভাগ V-এ দেওয়া আছে। পরীক্ষার্থীরা আলাদা করে ভাষা-পরিশিষ্টগুলি (Language Supplements) চেয়ে নিতে পারেন।
- এই পৃষ্ঠার বিবরণগুলি লেখার জন্য এবং OMR উত্তর পত্রে উত্তর চিহ্নিতকরণের জন্য কেবলমাত্র নীল/কালো বল পয়েন্ট পেনই ব্যবহার করতে হবে।
- বর্তমান ভাষা-পুস্তিকার (Language Booklet) কোড **J**। এই ভাষা পরিশিষ্ট পুস্তিকার কোড এবং OMR উত্তর পত্রের দ্বিতীয় পৃষ্ঠায় মুদ্রিত কোড ও মুখ্য পরীক্ষা পুস্তিকার উপরে মুদ্রিত কোড একই কি না, পরীক্ষার্থীরা সেটা অবশ্যই নিশ্চিত হয়ে নেবেন। কোড এক না হলে পরীক্ষার্থী অবিলম্বে পরীক্ষা নিরীক্ষক (Invigilator)-এর দৃষ্টি আকর্ষণ করবেন এবং তাকে ভাষা পরিশিষ্ট পরীক্ষা পুস্তিকাটি বদলে দিতে বলবেন।
- এই পরীক্ষা পুস্তিকাটি IV এবং V - এই দুই ভাগে বিন্যস্ত এবং এর মধ্যে 60টি বস্তুনিষ্ঠ প্রশ্ন (Objective Type Questions) বর্তমান। প্রতিটি বস্তুনিষ্ঠ প্রশ্ন 1 নম্বরের :
ভাগ IV : ভাষা I (বাংলা) (প্রশ্ন সংখ্যা : 91 থেকে 120)
ভাগ V : ভাষা II (বাংলা) (প্রশ্ন সংখ্যা : 121 থেকে 150)
- ভাগ IV-এ ভাষা I-এর জন্য আছে 30টি প্রশ্ন এবং ভাগ V-এ ভাষা II-এর জন্য আছে 30টি প্রশ্ন। যদি ভাষা I এবং/অথবা ভাষা II-এর জন্য আপনার নির্বাচিত ভাষাটি (গুলি) বাংলা না হয়ে অন্য কিছু হয় - তা হলে অনুগ্রহ করে আপনার নির্বাচিত ভাষার পরীক্ষা পুস্তিকা চেয়ে নিন। আপনি আপনার আবেদন পত্রে (Application Form) যে নির্বাচিত ভাষার উল্লেখ করেছেন, আপনাকে ঠিক সেই ভাষাতেই উত্তর লিখতে হবে।
- পরীক্ষার্থীদের ভাগ V (ভাষা II) -এর প্রশ্নোত্তরের জন্য প্রদত্ত ভাষা-তালিকা থেকে এমন একটি ভাষা নির্বাচন করতে হবে - যা তার ভাষা I (ভাগ IV)-এর জন্য নির্বাচিত ভাষা থেকে আলাদা। অর্থাৎ ভাষা I (ভাগ IV) এবং ভাগ V (ভাষা II) -এর প্রশ্নোত্তরের জন্য একই ভাষা নির্বাচন চলবে না।
- পরীক্ষা পুস্তিকায় পরীক্ষার্থীর নিজের কাজ (rough work)-এর জন্য নির্দিষ্ট খালি-জায়গার মধ্যেই rough work করতে হবে।
- সব উত্তর (OMR) উত্তর-পত্রের মধ্যেই চিহ্নিত করতে হবে। উত্তর চিহ্নিতকরণের কাজটি সাবধানতার সঙ্গে করতে হবে।

পরীক্ষার্থীর নাম (ছাপার অক্ষরে) : _____

ক্রমিক সংখ্যা (সংখ্যায়) : _____

: (অক্ষরে) : _____

পরীক্ষা কেন্দ্র (ছাপার অক্ষরে) : _____

পরীক্ষার্থীর স্বাক্ষর : _____ পরীক্ষা নিরীক্ষকের স্বাক্ষর : _____

Facsimile signature stamp of

Centre Superintendent _____

যে-সব পরীক্ষার্থী বাংলাকে ভাষা-I হিসাবে
নির্বাচিত করেছেন, তারা অবশ্যই **ভাগ-IV**
(91 থেকে 120 নং প্রশ্ন) - এর উত্তর
দেবেন।

Candidates should attempt the
questions from **Part-IV**
(Q.No. 91-120), if they have opted
BANGLA as **Language-I** only.



PART-IV
LANGUAGE-I
BENGALI

যে-সব পরীক্ষার্থী বাংলাকে ভাষা-I হিসাবে নির্বাচিত করেছেন, তারা অবশ্যই ভাগ-IV (91 থেকে 120 নং প্রশ্ন)-এর উত্তর দেবেন।

নির্দেশ : উদ্ধৃত গদ্যাংশটি পড়ুন এবং সংশ্লিষ্ট প্রশ্নগুলির (91 থেকে 99 নং প্রশ্ন) সর্বাধিক গ্রহণযোগ্য উত্তর নির্বাচন করুন :

যে সকল কুঠুরিতে পুরুষ-মৌমাছি উৎপন্ন হয় সেগুলির আয়তন শ্রমিক মৌমাছির কুঠুরি থেকে কিঞ্চিৎ বৃহদাকার। এই উভয় শ্রেণির কুঠুরি থেকে রানীর কুঠুরির আকৃতি সম্পূর্ণ পৃথক এবং আয়তনেও তা অনেক বড়। পর্যবেক্ষণের ফলে দেখা গেছে—কুঠুরিগুলির আকৃতি বা আয়তনের পার্থক্য সম্বন্ধে কিছুমাত্র বিবেচনা না করেই রানী একাদিক্রমে ডিম পেড়ে যায়। কিন্তু সর্বশেষে দেখা যায়—কুঠুরির আয়তনের তারতম্যানুযায়ী বিভিন্ন শ্রেণির মৌমাছি জন্মগ্রহণ করেছে; অর্থাৎ ছোট কুঠুরি থেকে কর্মী, মাঝারি কুঠুরি থেকে পুরুষ এবং বড় কুঠুরি থেকে রানী জন্মগ্রহণ করেছে। কাজেই পর্যবেক্ষকের পক্ষে এ কথা অনুমান করা স্বাভাবিক যে, রানী ইচ্ছামতো কর্মী, পুরুষ বা রানীর ডিম প্রসব করে থাকে। যৌন-পার্থক্য হিসাবে প্রকৃত প্রস্তাবে রানী ও কর্মী মৌমাছির মধ্যে প্রভেদ অতি সামান্য। রানীদের মতো কর্মী-মৌমাছিরোও স্ত্রী জাতীয়। কিন্তু রানীরো সন্তান-উৎপাদনে সক্ষম পক্ষান্তরে কর্মীরো বন্ধ্যা। রানীদের প্রজনন যন্ত্র সেরূপ পরিপূর্ণতা লাভ করে কর্মী-মৌমাছির প্রজনন যন্ত্র সেরূপ পরিণত অবস্থায় উপনীত হয় না। উভয়ের মধ্যে পার্থক্য থাকা সত্ত্বেও রানী ও কর্মী মৌমাছিরো একই রকমের ডিম থেকেই জন্মগ্রহণ করে থাকে। অদ্ভুত হলেও ব্যাপারটা সহজেই উপলব্ধি হতে পারে। স্ত্রী জাতীয় মৌমাছির প্রজনন যন্ত্রের যথাযথ পরিপূর্ণতা নির্ভর করে খাদ্য ও পারিপার্শ্বিক অবস্থার উপর। শ্রমিক মৌমাছিরো স্ত্রী জাতীয় হলেও শৈশবাবস্থা থেকেই তারা প্রতিপালিত হয় ক্ষুদ্রায়তন কুঠুরির মধ্যে। এই সকল কুঠুরিতে মৌমাছির রয়েল জেলি বা দুধ প্রচুর পরিমাণে সরবরাহ করা হয় না। ঠিক যতটুকু প্রয়োজন কর্মীরো বাচ্চাগুলিকে ঠিক ততটুকু খাদ্যই দিয়ে থাকে। রানীর কুঠুরি অনেক বড়। তাতে বেশি পরিমাণ খাদ্যের স্থান সংকুলান হয়। কাজেই বড় কুঠুরির বাচ্চা শৈশবাবস্থায় প্রচুর পরিমাণ সহজ পাচ্য রয়েল জেলি উদরস্থ করতে পারে। প্রচুর খাদ্য উদরস্থ করার ফলে সে যে কেবল আকৃতিতেই অনেক বড় হয় তা নয়, তার দেহ-যন্ত্রাদিও যথাযথ পরিপূষ্টি লাভ করতে পারে। কিন্তু রানী ও শ্রমিক-মৌমাছির পার্থক্য কেবল প্রজনন যন্ত্রেই সীমাবদ্ধ নয়, আকৃতি ও প্রকৃতিগত বহুবিধ পার্থক্য দৃষ্টিগোচর হয়। কর্মীর শরীরের প্রান্তদেশ গোলাকার এবং রানীর শরীরের পশ্চাঙ্গ লম্বা ও সূচালো। রানী ও কর্মীর চোয়াল এবং জিভ ভিন্ন ধরনের। রানীর দেহে মোম-উৎপাদক বা রেণু-সংগ্রাহক যন্ত্র নেই, উভয়ের দেহবর্ণেও যথেষ্ট তারতম্য দেখা যায়। তাছাড়া বুদ্ধিবৃত্তিতে রানী মৌমাছিরো কর্মীদের অপেক্ষা অনেক নিম্নমানের বলে বোধ হয়।

91. 'মৌমাছি' পদটি কোন সমাসের দৃষ্টান্ত ?

- | | |
|---------------------------|-------------------|
| (1) মধ্যপদলোপী কর্মধারায় | (2) যষ্ঠী তৎপুরুষ |
| (3) সমানাধিকরণ বহুব্রীহি | (4) উপপদ তৎপুরুষ |

92. গদ্যাংশটির মূল বর্ণনীয় বিষয় কী ?

- | | |
|-------------------------------|------------------------------|
| (1) মৌমাছির গৃহনির্মাণ রীতি | (2) মৌমাছির শ্রম বিভাজন নীতি |
| (3) মৌমাছির প্রজননগত পার্থক্য | (4) মৌমাছির আকৃতিগত পার্থক্য |

93. নিম্নলিখিত মন্তব্যগুলির মধ্যে কোনগুলি সঠিক, তা নির্ণয় করে সঠিক বিকল্পটি নির্বাচিত করুন :
- (a) রানি ও কর্মী মৌমাছির মধ্যে আকারগত কোনো পার্থক্য নেই।
 (b) রানি ও কর্মী মৌমাছির মধ্যে প্রকারগত পার্থক্য আছে।
 (c) রানি মৌমাছি রেণু সংগ্রহে অক্ষম, কিন্তু কর্মী মৌমাছি সক্ষম।
 (d) মোম উৎপাদনে রানি মৌমাছি কর্মী মৌমাছির চেয়ে কম সক্ষম।
 (e) রানি ও কর্মী মৌমাছির গায়ের রঙে খুব বেশি পার্থক্য নেই।
- (1) (a) এবং (c) ঠিক (2) (b) এবং (c) ঠিক (3) (d) এবং (e) ঠিক (4) (a), (d) এবং (e) ঠিক
94. একটি মৌচাকের প্রকোষ্ঠ বা কুঠুরিগুলির আকার হয় —
- (1) দু রকম (2) তিন রকম
 (3) চার রকম (4) কখনো দু রকম, কখনো এক রকম
95. নিম্নপ্রদত্ত কোন শব্দ-জোড়া একই নিয়ম বা সূত্র অনুযায়ী সন্ধিবদ্ধ হয়েছে ?
- (1) শৈশবাবস্থা - বৃহদাকার (2) বৃহদাকার - পশ্চাদ্ভাগ
 (3) পশ্চাদ্ভাগ - পক্ষান্তর (4) পক্ষান্তর - পর্যবেক্ষণ
96. একটি মৌচাকে একইরকম বহু ডিমের মধ্যে থেকে কেবল একটিই রানি মৌমাছির জন্ম হয়। কারণ—
- (A) একটি ডিমই সবচেয়ে বেশি পরিচর্যা লাভের সুযোগ পায়।
 (B) মৌচাকে একটি কুঠুরিই সবচেয়ে বেশি বড়ো আকারে তৈরি করা হয়।
- (1) কারণ (A) ঠিক, কিন্তু (B) ভুল (2) কারণ (A) ভুল, কিন্তু (B) ঠিক
 (3) কারণ (A) এবং (B) — দুটোই ভুল (4) কারণ (A) এবং (B) — দুটোই ঠিক
97. রচনাটি মূলত কোন শ্রেণির ?
- (1) ব্যাখ্যা বা উন্মোচনমূলক (2) বিতর্কমূলক
 (3) নির্দেশমূলক (4) প্ররোচনামূলক
98. ‘কাজেই পর্যবেক্ষকের পক্ষে এ কথা অনুমান করা স্বাভাবিক যে, রানি ইচ্ছামতো কর্মী, পুরুষ বা রানির ডিম প্রসব করে থাকে।’
 উদ্ধৃতিটির অন্তর্গত ‘কাজেই পর্যবেক্ষকের পক্ষে এ কথা অনুমান করা স্বাভাবিক’ অংশটিকে ব্যাকরণের পরিভাষায় কী বলা হবে ?
- (1) বাক্য (2) পদগুচ্ছ (3) বাক্যখণ্ড (4) শব্দগুচ্ছ
99. গদ্যাংশ অনুযায়ী, মৌমাছিদের মধ্যে নিম্নলিখিত কোন জাত বা শ্রেণিটির অস্তিত্ব নেই ?
- (1) পূর্ণাঙ্গ পুরুষ (2) পূর্ণাঙ্গ স্ত্রী (3) অপূর্ণাঙ্গ পুরুষ (4) অপূর্ণাঙ্গ স্ত্রী

নির্দেশ : কবিতাটি পড়ুন এবং সংশ্লিষ্ট প্রশ্নগুলির (100 থেকে 105 নং প্রশ্ন) সর্বাধিক গ্রহণযোগ্য উত্তর নির্বাচন করুন :

ভাবছি, ঘুরে দাঁড়ানোই ভালো।
এত কালো মেখেছি দু'হাতে
এত কাল ধরে!
কখনো তোমার করে,
তোমাকে ভাবিনি।
এখন খাদের পাশে রান্তিরে দাঁড়ালে
চাঁদ ডাকে : আয় আয় আয়
এখন গঙ্গার তীরে ঘুমন্ত দাঁড়ালে
চিতাকাঠ ডাকে : আয় আয়
যেতে পারি
যে-কোনো দিকেই আমি চলে যেতে পারি
কিন্তু, কেন যাব ?
সন্তানের মুখ ধরে একটি চুমো খাব
যাবো
কিন্তু, এখনই যাব না
তোমাদেরও সঙ্গে নিয়ে যাবো
একাকী যাবো না অসময়ে।

100. উদ্ধৃত পঙ্ক্তিটির সঠিক মাত্রা বিন্যাসটি শনাক্ত করুন :

‘কখনো তোমার করে তোমাকে ভাবিনি।’

- (1) ১১১ ১২ ১১ / ১১১ ১১১ = ৮ + ৬ (2) ১১১ ১১ ১১ / ১১১ ১১১ = ৭ + ৬
(3) ১১২ ১১ ১১ / ১১১ ১১১ = ৮ + ৬ (4) ১১১ ১২ ১১ ১১ / ১১ ১১ = ১০ + ৮

101. ‘এত কালো মেখেছি দু হাতে/এতকাল ধরে!’

- কবি এতকাল ধরে কীসের কালো মেখেছেন ?

- (1) পরিবেশগত প্রদূষণের (2) কলে-কারখানায় কর্মজীবনের
(3) অলীক আশা-আকাঙ্ক্ষার (4) জাগতিক অপমান, অমর্যাদা, স্বার্থপরতার

102. দ্বিতীয় স্তবকে বর্ণিত ডাকের একটিতে তিনবার এবং অপরটিতে দু বার ‘আয়’ শব্দটি ব্যবহৃত হয়েছে। সংখ্যার এই তারতম্যের সবচেয়ে উপযুক্ত এবং গ্রহণযোগ্য কারণ কোনটি ?

- (1) ছন্দের মাত্রা ঠিক রাখা
(2) পঙ্ক্তিগুলিকে সমদৈর্ঘ্যের রাখা
(3) কবি চাঁদ তথা জীবনের ডাক চিতাকাঠের তুলনায় বেশি শুনতে পাচ্ছেন
(4) চাঁদের চেয়ে চিতাকাঠের স্থায়িত্ব কম

103. কবিতাটির প্রধান অবলম্বন কবির —

- (1) প্রগাঢ় মৃত্যুভয় (2) অনপনেয় জীবনতৃষ্ণা
(3) তীব্র মরণাকাঙ্ক্ষা (4) দূরপনেয় জীবন-বিতৃষ্ণা

104. কবি কীসের দিক থেকে ঘুরে দাঁড়ানোর কথা ভাবছেন ?
- (1) অনিবার্য মৃত্যুর (2) একঘেয়ে সংসার জীবনের
(3) ক্লাস্তিকর কর্মজীবনের (4) অপত্য-স্নেহ বন্ধনের
105. কবিতাটিতে বিরাম-চিহ্ন ব্যবহারের স্বল্পতা লক্ষ্য করার মতো। কবিতাটির দ্বিতীয় স্তবকে কোনো পূর্ণ বিরাম চিহ্ন নেই। ('এখন খাদের পাশে রান্তিরে আয় আয়।') স্তবকটিকে কেবল দুটো কোলন চিহ্ন ছাড়া কোনো বিরাম চিহ্নই নেই। এর সর্বাধিক গ্রহণযোগ্য কারণ কোনটি ?
- (1) আধুনিক কবিতায় কঠোরভাবে বিরাম চিহ্ন ব্যবহারের নিয়ম মানা হয় না।
(2) স্তবকটিতে কবি শুনতে পাচ্ছেন জীবন ও মৃত্যুর বিরামহীন আহ্বান। অবিরাম সেই আহ্বানের ভাবটি ফোটানোর জন্যই স্তবকটি বিরামচিহ্ন হীন।
(3) রান্তিরের দৃশ্যপটে সম্পূর্ণভাবে কিছু দেখা যায় না। তাই কোনো পূর্ণবিরামচিহ্ন নেই।
(4) বিরাম চিহ্নের স্বল্পতা এই কবির বিশিষ্ট কাব্যরচনাশৈলীর অন্তর্গত।
106. নিম্নলিখিত কোনটি প্রাতিষ্ঠানিক লিখনের (institutional writing) মধ্যে পড়ে না ?
- (1) শোক প্রস্তাব (Notes on condolence) (2) ব্যবসায়িক পত্র
(3) কারিকুলাম ভিটাই (Curriculum Vitae) (4) রিভিউ বা পর্যালোচনা
107. ভাষা অর্জন ও ভাষা শিক্ষায় সহজাত ভাষা জ্ঞান তত্ত্ব (innateness hypothesis) কী ?
- (1) এতে এই ধারণা প্রত্যাখ্যান করা হয় যে, সব ভাষারই ব্যাকরণ আছে এবং সব শিশুই তাদের নিজেদের পদ্ধতি বা কায়দায় সেগুলি শেখে।
(2) এতে বিশ্বাস করা হয় যে, সব মানুষই শারীরিক পুনরাবৃত্তি বা ড্রিলিং এবং প্রতিবন্ধতা বা কণ্ঠশনিংয়ের মাধ্যমে ভাষা শিখতে পারে।
(3) এতে বিশ্বাস করা হয় যে, সব মানুষই জন্মের সময় ভাষা জ্ঞান লাভ করে।
(4) এতে মনে করা হয় যে, অভ্যাস গঠনের পরিণতি হিসেবে ভাষা শিক্ষা হয়।
108. 'কন্টেন্ট-ওরিয়েন্টেড ল্যাঙ্গুয়েজ ইনপুটস' বা 'বিষয়বস্তু-কেন্দ্রিক ভাষা ইনপুট বা প্রসঙ্গ' বলতে কী বোঝায় ?
- (1) ভাষা ইনপুট, যা ভাষা কীভাবে ব্যবহৃত হয় তার উপর আলোকপাত করে
(2) ইনপুটগুলির উপস্থাপনা এবং এর প্রক্রিয়াসমূহ
(3) ভাষা ইনপুট, যেগুলি তথ্যের উপর আলোকপাত করে
(4) শব্দভাণ্ডার, উচ্চারণ, ব্যাকরণ প্রভৃতি
109. ভাষা শিক্ষণের কোন নীতিটি (approach) শব্দ এবং শব্দগুচ্ছকে ভাষা শিখনের ভিত্তি হিসেবে উপস্থাপিত করে ?
- (1) কার্যভার-ভিত্তিক (Task-based) ভাষা শিখন
(2) যোগাযোগমূলক (Communicative) নীতি
(3) আভিধানিক (Lexical) নীতি
(4) ব্যাকরণ-অনুবাদ (Grammar translation) পদ্ধতি

110. নিম্নলিখিত কোনটি স্কুল শিক্ষায় বহুভাষিকতার (Multilingualism) লক্ষ্য নয় ?
- (1) স্কুলে শিক্ষণ-শিখনে শিক্ষার্থীদের ভাষাগুলিকে ব্যবহার করানো
 - (2) যতদূর সম্ভব শিক্ষার মাধ্যম হিসেবে মাতৃভাষা শেখা
 - (3) ত্রি-ভাষা সূত্রাধীন মাতৃভাষা, হিন্দি এবং ইংরেজি শেখা
 - (4) সব শিশু তাদের মাতৃভাষা দিয়ে শুরু করবে এবং ক্রমশ তার সঙ্গে অনেক (অন্তত আরো দুটি) ভাষা যুক্ত হবে
111. বাণী একটা সাধারণ ধারণা লাভের জন্য একটা নিবন্ধ পড়ছে। এই রকম পঠনকে কী বলা হবে ?
- (1) ইনফারেন্সিং (Inferencing)
 - (2) স্ক্যানিং (Scanning)
 - (3) স্কিমিং (Skimming)
 - (4) ক্রিটিকাল রিডিং (Critical reading)
112. স্কুল-ভিত্তিক মূল্যায়নকে উন্নীত করে এমন দুটি উপযুক্ত পাঠ নির্বাচন করুন।
- (a) এটি শিক্ষার্থী এবং শিক্ষক উভয়ের মধ্যেই স্বশাসন প্রবৃদ্ধিতে সাহায্য করে
 - (b) এটি স্কুলকে তাদের নিজেদের পরিকল্পনা করার সুযোগ দেয়
 - (c) এটি পরীক্ষণ বোর্ডের ক্ষমতা হরণ করে
 - (d) এটি মূল্যায়ন পরিকল্পনা প্রক্রিয়ায় সক্রিয় অংশগ্রহণকারী হিসেবে শিক্ষার্থীকে সংযুক্ত করে না
- (1) (a) এবং (b) (2) (b) এবং (c) (3) (c) এবং (d) (4) (d) এবং (a)
113. কোন শিক্ষা-দর্শন (educational philosophy) এটির সমর্থক ?
- পূর্ব-নির্ধারিত শিক্ষা ক্রম-এর পরিবর্তে বস্তুজাগতিক প্রেক্ষিত (real-world settings) কিম্বা ঘটনা-ভিত্তিক (case-based) শিখনের মতো শিখন প্রতিবেশ ব্যবহৃত হয়।
- (1) নেটিভিজম (Nativism)
 - (2) গঠনবাদ বা Constructivism
 - (3) অডিওলিঙ্গুয়ালিজম (Audiolingualism)
 - (4) জ্ঞানীয়বাদ বা Cognitivism
114. রাহুল ক্লাস VI-এর ছাত্র। সে ব্যাকরণগত নতুন রূপ বা form শেখার সময় তার পূর্বলব্ধ-জ্ঞানের সঙ্গে সম্পর্কিত করতে পারে। এতে নিম্নলিখিত কোন পদ্ধতিটি (strategy) প্রতিফলিত হয় ?
- (1) হিউরিষ্টিক পদ্ধতি (Heuristic strategy)
 - (2) জ্ঞানীয় (Cognitive) পদ্ধতি
 - (3) অধিজ্ঞানীয় (Metacognitive) পদ্ধতি
 - (4) জ্ঞানীয় এবং অধিজ্ঞানীয় — উভয় পদ্ধতি
115. ক্লাস VII-এর একজন শিক্ষক সাতটি বাক্যের একটি সংক্ষিপ্ত পাঠ পড়ে শোনালেন। তারপর তিনি শিক্ষার্থীদের মন দিয়ে শুনতে বলে ছবছ সেই পাঠটি না পড়ে সেটিরই কাছাকাছি একটি পাঠ পুনর্নির্মাণ করলেন। পদ্ধতিটি কী হিসেবে পরিচিত ?
- (1) স্কীমা সৃজন (Schema creation)
 - (2) টপ-ডাউন পদ্ধতি
 - (3) বটম-আপ পদ্ধতি
 - (4) অনুচ্ছেদ শ্রুতলিখন (Paragraph dictation)

116. শিখন ফল (Learning outcome)-এর উদ্দেশ্য সম্পর্কিত নিম্নলিখিত কোনটি/কোনগুলি সত্য ?
- বিষয়-নির্ভর (content focussed) শিখন নয়, বরং পারংগমতা ভিত্তিক (competency based) শিখনে প্রোৎসাহন জোগানো
 - শিক্ষার্থীদের ভাষার সৃজনশীল ব্যবহারকারী হয়ে ওঠার জন্য আবশ্যিক ভাষাগত দক্ষতা অর্জনে সমর্থ করা
 - বিষয়বস্তুকে (content) দখলে আনা এবং পরে তা প্রয়োগ করতে সমর্থ হওয়া
 - শিক্ষার্থীদের নির্দিষ্ট উদ্দেশ্য অনুসারে ভাষা ব্যবহার করা শিখতে সমর্থ করা
- (1) কেবল (c) সত্য (2) (b) এবং (c) সত্য (3) (d) এবং (c) সত্য (4) (a) এবং (d) সত্য
117. নিম্নলিখিত কোন বিবৃতিটিতে ব্যাকরণ শিখন প্রসঙ্গে ‘প্রণালিবদ্ধ জ্ঞান’ (‘procedural knowledge’) -এর সর্বোত্তম বর্ণনা প্রকাশ পেয়েছে ?
- ‘রূপ’ বা সংগঠন (form) সম্পর্কে জ্ঞান
 - ব্যাকরণগত রূপ বা সংগঠন (grammatical form) কী, তা জানা এবং তা ব্যবহার করা
 - ব্যাকরণের নিয়মাবলি শেখা এবং পরে তা পুনরুৎপাদন (reproduce) করা
 - ব্যাকরণ গ্রন্থ থেকে কোনো ব্যাকরণগত রূপ বা সংগঠন কীভাবে কার্যকর হয়, তা বোঝা
118. শ্রীমতি উষা রানি একজন সরকারি উচ্চ বিদ্যালয়ের ইংরেজি শিক্ষিকা। তিনি তাঁর ছাত্রছাত্রীদের দৈনন্দিন জীবনে প্রয়োজনীয় বিষয়ে ভাষাটিকে ব্যবহার করতে দিয়ে এবং সেগুলির ব্যবহার সূত্র শিখিয়ে ইংরেজি বলতে সাহায্য করেন। তিনি এইভাবে তাঁর শিক্ষার্থীদের মধ্যে কীসের বিকাশ ঘটাতে চান ?
- যোগাযোগ দক্ষতা (Communication Skills)
 - আন্তঃব্যক্তিক দক্ষতা (Interpersonal Skills)
 - জ্ঞানীয় বিদ্যাগত ভাষা কুশলতা (Cognitive Academic Language Proficiency)
 - বুনিয়াদি আন্তঃব্যক্তিক যোগাযোগ দক্ষতা (Basic Interpersonal Communication Skills)
119. একজন শিক্ষিকা ক্লাস VII-এর পড়ুয়াদের একটি নির্দিষ্ট ধরনের ভ্রান্তি (errors) সংগ্রহ করেন এবং মাসে একবার সেগুলি আলোচনা করে পড়ুয়াদের সেই ভুল সম্পর্কে সচেতন করে দেন। ভুলগুলি কারা করেছে, তিনি তা প্রকাশ করেন না। তিনি সেই ভুলগুলি সম্পর্কে শিক্ষার্থীদের চিন্তাভাবনাও করতে বলেন। অনুশীলনটি কী হিসেবে পরিচিত ?
- অধ্যয়ন এবং ব্যাকরণের সঙ্গে সংযুক্তিকরণ (Study and engagement with grammar)
 - ব্যাকরণ শিক্ষাদান (Teaching grammar)
 - প্রতিক্রিয়া বা ফিডব্যাক প্রদান
 - ভ্রান্তি বিশ্লেষণ (Error analysis)
120. যে সব শব্দ (words) আমরা শোনা অথবা দেখার সময় শনাক্ত করি সেগুলিকে বলা হয় —
- লেক্সিস বা শব্দসম্ভার (Lexis)
 - উৎপাদনশীল শব্দভাণ্ডার (Productive vocabulary)
 - গ্রাহী শব্দভাণ্ডার (Receptive vocabulary)
 - নিবিষ্ট শব্দভাণ্ডার (Engaging vocabulary)

যে-সব পরীক্ষার্থী বাংলাকে ভাষা-II হিসাবে
নির্বাচিত করেছেন, তারা অবশ্যই ভাগ-V
(121 থেকে 150 নং প্রশ্ন) - এর উত্তর
দেবেন।

Candidates should attempt the
questions from **Part-V (Q.No.
121-150)**, if they have opted
BANGLA as Language-II only.



PART-V
LANGUAGE-II
BENGALI

যে-সব পরীক্ষার্থী বাংলাকে ভাষা-II হিসাবে নির্বাচিত করেছেন, তারা অবশ্যই ভাগ-V (121 থেকে 150 নং প্রশ্ন)-এর উত্তর দেবেন।

নির্দেশ : উদ্ধৃত গদ্যাংশটি পড়ুন এবং সংশ্লিষ্ট প্রশ্নগুলির (121 থেকে 128 নং প্রশ্ন) সর্বাধিক গ্রহণযোগ্য উত্তর নির্বাচন করুন :

‘বৈদিক যুগ’ বলতে যদি আমরা ঋগ্বেদ ও বেদাঙ্গসূত্রের মধ্যবর্তী সময়কাল বুঝি, এবং যথাযথ বৈদিক যুগের সময়সীমা যদি সেটাই হয় তাহলে তার ব্যাপ্তি সতেরো থেকে আঠারোটি শতক। অবশ্যই এই সময়ে নারীর অবস্থান আগাগোড়া হুবহু এক ছিল না। ঋগ্বেদের প্রাচীন অংশে আমরা দেখি, গ্রামকেন্দ্রিক যাযাবর পিতৃতান্ত্রিক সমাজে যতটুকু প্রত্যাশা করা যায়, নারী সেই মাত্রাতেই স্বাধীনতা ভোগ করছে। নারীর প্রতি সমাজের দৃষ্টিভঙ্গি নানা চিত্রকল্পের মাধ্যমে প্রকাশিত হয়ে পড়ে। উষস্ অর্থাৎ ভোরের এক রূপসী, সুসজ্জিতা রমণী; তাঁকে সম্পূর্ণ বাধাহীনভাবে বর্ণনা করা হয়েছে : “শুচি ও সুন্দর উষস্, রক্তবস্ত্রে সজ্জিতা যেন সদ্যন্মাতা, মায়ের হাতে স্নেহভরে প্রসাধিতা এক কন্যা। হাস্যমুখী বধু যেমন স্বামীর সামনে নিজের রূপ উন্মোচিত করে তেমনি উষা তার রূপ উন্মোচিত করেন। এছাড়া তাঁকে নির্লজ্জাও বলা হয়েছে। এর থেকেই নারীর স্বাধীন বিচরণ বিষয়ে সমাজের বিরূপ মনোভাব প্রকাশ পায়। কিন্তু এই অংশটি ঋগ্বেদ রচনার অর্বাচীন সময়কার। “অগ্নি মানুষের স্তুতি তেমনভাবেই উপভোগ করেন, যেমনভাবে প্রেমিক পতি স্ত্রীকে উপভোগ করেন।” “আমাদের স্তুতি তোমাকে তেমনভাবে স্পর্শ করুক, যেমনভাবে স্বামীর স্পর্শে স্ত্রীর কামনা জেগে ওঠে।” “অগ্নি স্বামীর দ্বারা সম্মানিতা স্ত্রীর মতোই পবিত্র।” লক্ষ্য করা যেতে পারে, দেবতার পবিত্রতা মর্ত্য নারীর পবিত্রতার সঙ্গে তুলনা করা হচ্ছে। একের পর এক চিত্রকল্পে নারীর প্রতি প্রেম নিবেদনকারী পুরুষের সঙ্গে তুলনা করা হচ্ছে ভক্তের ইষ্টদেবতার প্রতি আবেদনের। সূর্য উষার পিছনে পিছনে যান, যেমন পুরুষ যায় নারীর পিছনে এমনকি পুরুষের প্রতি নারীর কামনাকেও খোলাখুলিভাবে বর্ণনা করা হয়েছে। সূর্য উষার উপপতি; ‘জারোন’ এই বারে বারে ব্যবহৃত অংশটির মধ্যে অবৈধ প্রণয়ের চিত্র বহুবার পাওয়া গেছে। পিতা ও কন্যার মধ্যে অবৈধ সম্পর্ক নাভানেদিষ্ঠ সূক্তের বিষয়। ভাইবোনের মধ্যে এই সম্পর্ক বিখ্যাত ‘যম-যমী’ সংবাদ সূক্তের বিষয়^{১২}। “নদীগুলি বিশ্বামিত্রের দিকে যায়, ‘যেমন নারী নত হয় চুম্বনোদ্যত পুরুষের দিকে”। “যেমন প্রিয়া পত্নী প্রেমিক স্বামীর মধ্যে আনন্দ পায়, হে ভক্ত, তুমিও যেন আমার মধ্যে সেই আনন্দ পাও।” আবার ভক্ত ও ইষ্ট দেবতার তুলনা করা হচ্ছে মনুষ্যমিথুনের সঙ্গে। “ঘৃতের ধারা সোমের দিকে যায়, যেমন সুসজ্জিতা সুন্দরী তরুণী যায় স্বামীর কাছে।” অবিবাহিতা নারী তার স্বামী বেছে নিতে পারে।

121. নিম্নলিখিত কোনটি ‘নারী’র সমার্থক বা প্রতিশব্দ নয় ?

- (1) বনিতা (2) যোষিৎ (3) ভামিনী (4) দারিকা

122. গদ্যাংশ অনুসারে স্তম্ভ-(ক) এর সঙ্গে স্তম্ভ-(খ)-কে মেলান এবং সঠিক বিকল্পটি নির্বাচন করুন।

স্তম্ভ -(ক)	স্তম্ভ -(খ)	
(a) অগ্নি	(i) সূর্য	
(b) উষস্	(ii) সোম	
(c) নদীসমূহ	(iii) মানবস্তুতি	
(d) ঘৃত ধারা	(iv) বিশ্বামিত্র	
(1) (a)-(ii), (b)-(i), (c)-(iii), (d)-(iv)	(2) (a)-(i), (b)-(iv), (c)-(ii), (d)-(iii)	
(3) (a)-(iii), (b)-(i), (c)-(iv), (d)-(ii)	(4) (a)-(iv), (b)-(iii), (c)-(ii), (d)-(i)	

123. গদ্যাংশটির মূল আলোচ্য বিষয় কী ?

- | | |
|--------------------------------|------------------------------|
| (1) বেদ, বেদাঙ্গের রচনাকাল | (2) বেদ, বেদাঙ্গের দেব-দেবি |
| (3) বৈদিক যুগে পুরুষের অবস্থান | (4) বৈদিক যুগে নারীর অবস্থান |

124. প্রাচীনতর গ্রামকেন্দ্রিক, যাযাবর, পিতৃতান্ত্রিক বৈদিক সমাজে নারী সম্পর্কে দৃষ্টিভঙ্গি ছিল —

- | | | | |
|--------------|-------------|--------------|---------|
| (1) খোলামেলা | (2) এলোমেলা | (3) নিরাসক্ত | (4) হীন |
|--------------|-------------|--------------|---------|

125. গদ্যাংশটি পড়ে এটাই বোঝা যায় যে, বৈদিক যুগের —

- (1) আদি পর্বে অবিবাহিতা নারী পতি নির্বাচনের স্বাধীনতা পেত।
- (2) অর্বাচীন পর্বে নারীর সম্মান বৃদ্ধি পেয়েছিল।
- (3) আদি পর্বে মনুষ্য মৈথুন প্রসঙ্গ লজ্জাজনক বলে গণ্য হত।
- (4) অর্বাচীন পর্বে অবৈধ প্রণয় নিন্দনীয় ছিল না।

126. “অগ্নি স্বামীর দ্বারা সম্মানিতা স্ত্রীর মতোই পবিত্র।” — পঙ্ক্তিটিতে কোন উপমা অলংকারের প্রয়োগ ঘটেছে ?

- | | | | |
|-------------|---------------|---------------|---------------|
| (1) মালোপমা | (2) পূর্ণোপমা | (3) লুপ্তোপমা | (4) স্মরণোপমা |
|-------------|---------------|---------------|---------------|

127. ‘.. যেমনভাবে স্বামীর স্পর্শে স্ত্রীর কামনা জেগে ওঠে।’ — কোন কারকের দৃষ্টান্ত ?

- | | | | |
|----------|------------|---------|------------|
| (1) কর্ম | (2) অপাদান | (3) করণ | (4) অধিকরণ |
|----------|------------|---------|------------|

128. বৈদিক সাহিত্যে সামাজিক দৃষ্টিভঙ্গি বদলের স্পষ্ট ছাপ পড়েছে _____ বর্ণনায়।

- | | | | |
|----------------------|----------------------|---------------------|---------------------|
| (1) যম-যমীর বর্ণনায় | (2) উষস্-এর বর্ণনায় | (3) সোম-এর বর্ণনায় | (4) অগ্নির বর্ণনায় |
|----------------------|----------------------|---------------------|---------------------|

নির্দেশ : উদ্ধৃত গদ্যাংশটি পড়ুন এবং সংশ্লিষ্ট প্রশ্নগুলির (129 থেকে 135 নং প্রশ্ন) সর্বাধিক গ্রহণযোগ্য উত্তর নির্বাচন করুন :

বাবা ছিলেন ব্যক্তিস্বাধীনতায় বিশ্বাসী। সাংস্কৃতিক কাজের ওপর রাজনৈতিক নেতাদের মাতব্বরী, হস্তক্ষেপ বাবা কখনও মেনে নেননি। বাবা কয়েক বছর রবীন্দ্র সদন কর্মসমিতির সদস্য ছিলেন। সেখানে কবিসম্মেলনে কবিদের নির্বাচিত করার দায়িত্ব ছিল বাবার। বাবা সেখানে কলকাতার প্রতিষ্ঠিত কবিদের থেকে বেশি প্রাধান্য দিতেন গ্রাম, শহরতলির তরুণ উদীয়মান কবিদের। দু-এক বছর পরেই বাবার বিরুদ্ধে এই নিয়ে অভিযোগ আসে যে, বাবা মফসসলের অনামী কবিদের বেশি প্রাধান্য দিচ্ছেন কলকাতার নামী কবিদের থেকে। অভিযোগ মূলত আসে সরকারে অধিষ্ঠিত প্রধান রাজনৈতিক দলের নেতৃত্বের পক্ষ থেকে। বাবা সঙ্গে সঙ্গে রবীন্দ্র সদন কর্মসমিতির সদস্যপদ থেকে পদত্যাগ করেন। তৎকালীন শিক্ষামন্ত্রী শম্ভু ঘোষের অনুরোধও বাবাকে পদত্যাগের সিদ্ধান্ত থেকে বিরত করতে পারেনি। বিভিন্ন সাংস্কৃতিক সংগঠনের সঙ্গে বাবার সম্পর্ক ভালো থাকলেও বাবা কখনও কোনো সংগঠনের সদস্য ছিলেন না।

ছয়ের দশক। তখন এলাকায় এলাকায় রাজনৈতিক মাস্তানদের দাপট ছিল না। দাপট ছিল এলাকার মাস্তানদের। প্রায়ই লেগে থাকত এ-পাড়া ও-পাড়ার মাস্তানদের মধ্যে গণ্ডগোল। সাধারণ মানুষ হয়ে পড়ত আতঙ্কিত। বাবা এসবের পরোয়া করতেন না। এলাকার মাস্তানরা তো বটেই, এলাকার বাইরের মাস্তানরাও বাবাকে সমীহ করে চলত। এমনও ঘটনা ঘটেছে যে, আমাদের ঘরে বসেই বাবা দু-দল মাস্তানের মধ্যে গণ্ডগোল মীমাংসা করে দিয়েছে। এর প্রভাব পড়েছিল আমাদের ভাই-বোনের ওপরেও। আমরা কোনোদিনই এইসব মাস্তানদের পরোয়া করিনি। আমাদের বাড়িতে পুজোর চাঁদার জুলুম কোনোদিনই হয়নি। এর পেছনেও ভূমিকা বাবার।

মজার মজার ঘটনাও ঘটত কিছু। বাবা মাঝেমাঝেই দু-পায়ে দু-রকমের চটি পরে বেরিয়ে পড়তেন। উলটো গেঞ্জি পরে পাড়ায় বের হওয়া তো নিত্যদিনের ঘটনা। এক মেয়েকে ডাকতে গিয়ে অন্য মেয়ের নাম ধরে ডাকা, চোখে চশমা দিয়ে চশমা খোঁজা, সামনে কলম রেখে কলমের খোঁজ — এগুলো আমরা সব-সময়ই দেখতাম। বাবা সময় ধরে চলতেন। দূরে কোথাও কবিতা পাঠ করতে যাবেন, বাবাকে নিতে আসবে, বাবা তো আগে থেকেই প্রস্তুত। এবার যারা নিতে আসবে তারা দেরি করে আসছে। প্রতিটা মিনিট যাচ্ছে আর বাবার উত্তেজনা বাড়ছে। আর তারপর এলেই তো তাদের কপালে জুটত বকা। তবে রাগ কমতেও বাবার সময় বেশি লাগত না।

129. বক্তার বাবা ছিলেন একজন —

- (1) প্রাক্তন কবি (2) বিস্মৃত কবি (3) উদীয়মান কবি (4) প্রতিষ্ঠিত কবি

130. তিনি মাঝে মধ্যেই এক মেয়েকে ডাকতে গিয়ে অন্য মেয়ের নাম ধরে ডাকতেন।

কারণ (A) : তিনি বাঁধা নিয়মে চলতে পছন্দ করতেন না।

কারণ (B) : তিনি মেয়েদের ব্যাপারে যথেষ্ট মনোযোগী ছিলেন না।

- (1) কারণ (A) ঠিক, কিন্তু (B) ভুল (2) কারণ (A) ভুল, কিন্তু (B) ঠিক
(3) কারণ (A) এবং (B) — দুটোই ভুল (4) কারণ (A) এবং (B) — দুটোই ঠিক

131. গদ্যাংশটি কোন শ্রেণির রচনা ?

- (1) স্মৃতিকথা (2) জীবনী (3) আত্মজীবনী (4) প্রতিবেদন

132. বক্তার বাবা নিম্নলিখিত কোন নীতি বা আদর্শে বিশ্বাস করতেন ?

- (1) সাংস্কৃতিক ক্ষেত্রে রাজনৈতিক হস্তক্ষেপ থাকা উচিত নয়।
(2) নবীন ও প্রবীণ কবিদের সমান প্রাধান্য দেওয়া উচিত।
(3) এলাকার ছোটো মাস্তানদের রাজনৈতিক মাস্তান হওয়ার চেষ্টা করা উচিত।
(4) উত্তেজনার কারণ ঘটলেও অনুত্তেজিত থাকা উচিত।

133. নিম্নলিখিতগুলির মধ্যে কোনটি গদ্যাংশে বর্ণিত ব্যক্তিটির চারিত্রিক বৈশিষ্ট্য নয় ?

- (1) মস্তানদের এড়িয়ে চলা (2) আত্মসম্মান অক্ষুণ্ণ রেখে চলা
(3) সময় ধরে চলা (4) রাগ না পুষে চলা

134. 'বাবা ছিলেন ব্যক্তিস্বাধীনতায় বিশ্বাসী।' — 'ব্যক্তিস্বাধীনতায়' কোন কারক ?

- (1) করণ (2) অধিকরণ (3) অপাদান (4) নিমিত্ত

135. নিম্নলিখিত কোনটি কর্ম তৎপুরুষ সমাসের দৃষ্টান্ত ?

- (1) ব্যক্তিস্বাধীনতা (2) রবীন্দ্র সদন (3) কর্ম সমিতি (4) পদত্যাগ

136. শিক্ষিকা তাঁর ক্লাস VII-এর শিক্ষার্থীদের নিম্নলিখিত কার্যভার বা অ্যাসাইনমেন্টটি দিলেন। সেটিকে কোন ধরনের লিখন হিসেবে বর্ণনা করা হবে ?

যুগ্ম রূপে চিন্তামন্ডন (brainstorm), চিন্তাসূত্র গ্রহণ (jot down ideas) করে “শিক্ষার্থীদের আর ছাপানো বই রাখার দরকার নেই”—এই বিষয়টির উপর এর সপক্ষে দুটি এবং বিপক্ষে দুটি যুক্তি সহ একটি উত্তম রচনা প্রস্তুত করো।

- (1) ব্যক্তিগত লিখন (Personal writing)
(2) উন্মোচনমূলক (Expository) লিখন
(3) শৃঙ্খলাহীন (Discursive) লিখন
(4) বর্ণনামূলক (Descriptive) লিখন

137. ভাষা অর্জন এবং ভাষা শিক্ষায় সহজাত ভাষা জ্ঞান তত্ত্ব সম্পর্কিত কোন মন্তব্যটি ঠিক ?

- (1) ভাষা অর্জনের জন্য দায়ী থাকে অভিভাবকদের উদ্যম, সঙ্গীসাথী এবং শিশুর নিকটস্থ ব্যক্তির আর সেই সঙ্গে সংশ্লিষ্ট পরিবেশ।
(2) মানুষের ভাষা অতুলনীয়, এবং কেবল মানুষই কোনো ভাষায় কথা বলতে পারে।
(3) সযত্ন অনুশীলন এবং বারবার চর্চার মাধ্যমেই শিশুর মধ্যে থাকা ভাষা প্রকোষ্ঠ (language faculty) শিশুকে ভাষা বুঝতে সক্ষম করে।
(4) শিশুর ভাষা উৎপাদন, অর্জন (production, acquisition)-এর জন্য দায়ী শিশুর প্রাপ্ত ভাষা প্রকোষ্ঠ।

138. নিম্নলিখিত কোনটি 'বটম-আপ' (bottom-up) লিখন কার্যাবলী ?

- (1) শ্রুতলিখন, বন্ধ শ্রবণ (cloze listening), বহু-নির্বাচনমূলক (multiple-choice) প্রশ্নাবলি, সদর্থক ও নঞর্থক বিবৃতি শনাক্তকরণ
(2) সংক্ষেপীকরণ, সমগ্র বার্তা শ্রবণ এবং প্রেক্ষাপটগত জ্ঞানের প্রয়োগ
(3) শোনার সময় বিশৃঙ্খল শব্দসমূহকে পুনর্বিদ্যমান করে বাক্যে গঠন
(4) কবিতা আবৃত্তি, তাৎক্ষণিক বক্তৃতা, বিতর্ক এবং আলাপ-আলোচনা

139. ভাষা শিক্ষণে ‘বঙ্গসামগ্রীর শৈক্ষণিক উপলব্ধি’ বা (pedagogical realization of materials) বলতে কী বোঝায় ?
- (1) ভাষা-শিক্ষাতত্ত্বকে (language pedagogy) উন্নীত করার জন্য কার্যাবলি (activities) এবং কার্যভার (tasks) স্থাপন
 - (2) শিক্ষককে শিক্ষাতত্ত্ব অবলম্বনে সমর্থ করার জন্য বঙ্গসামগ্রীর মধ্যে শিক্ষাতত্ত্ব (pedagogy) স্থাপন
 - (3) শিক্ষককে তার শ্রেণিকক্ষে শিক্ষাতত্ত্ব অনুধাবনে সক্ষম করা
 - (4) শ্রেণিকক্ষে ব্যবহার করার জন্য বিভিন্ন শিক্ষাতাত্ত্বিক নীতির তালিকা প্রস্তুত করা
140. ‘সব শিশু বিদ্যালয়ে মাতৃভাষা দিয়ে শিক্ষা শুরু করে এবং এগোনের সঙ্গে সঙ্গে আরো অনেক ভাষা যোগ করতে থাকে।’ - শিক্ষাস্তর্গত ভাষা নীতির (Language-in-education policy) ক্ষেত্রে এটি কী হিসেবে পরিচিত ?
- (1) সংস্কৃতি-নির্দিষ্ট (Culture specific) শিক্ষাস্তর্গত ভাষা নীতি
 - (2) স্কুল শিক্ষায় ত্রি-ভাষা সূত্র (Three language formula)
 - (3) ভাষা-শিক্ষার ভিত্তিস্বরূপ মাতৃভাষা
 - (4) মাতৃভাষা-ভিত্তিক বহুভাষিকতা
141. সন্ধ্যা কিছু তথ্য পাওয়ার জন্য মেশিন লার্নিং বিষয়ে লিখিত একটি নিবন্ধ পড়ছে। তার এই ধরনের পঠনকে কী বলা হবে ?
- (1) গ্ল্যান্সিং (Glancing)
 - (2) রিভিউয়িং (Reviewing)
 - (3) স্কিমিং (Skimming)
 - (4) স্ক্যানিং (Scanning)
142. নিম্নপ্রদত্ত কার্যভারটি কী হিসেবে পরিচিত ?
- একটি ছোট text বা পাঠকে কয়েকটি খণ্ডে ভাগ করা হবে অথবা প্রতিটি একান্তর (alternate) বাক্য এক জোড়া শিক্ষার্থীকে দেওয়া হবে এবং প্রতি শিক্ষার্থী অপরজনকে তার প্রাপ্ত বাক্যগুলি পড়ে শোনাতে এবং অপরজন সেটি শুনে লিখবে। তারপর সেই প্রক্রিয়াটি উল্টো দিক থেকে চলবে যেখানে অপরজন শুনবে এবং লিখবে। তারপর তারা একসঙ্গে বসে গোটা পাঠটিকে চূড়ান্ত রূপ দেবে।
- (1) প্রতিসৃজন (Transcreation)
 - (2) অনুচ্ছেদ শ্রুতিলিখন (Paragraph dictation)
 - (3) পারস্পরিক (Mutual) শ্রুতিলিখন
 - (4) ব্যাকরণ শ্রুতিলিখন
143. শিখন হচ্ছে অর্থের অনুসন্ধান। তাই শিক্ষার্থী সক্রিয়ভাবে অর্থ বোঝার চেষ্টা করে এমন সব বিষয় (issues) ঘিরেই শিখন শুরু হওয়া উচিত। কোন শিক্ষা-দর্শন এই ধারণার পক্ষপাতী বা প্রবক্তা ?
- (1) আচরণবাদ (Behaviourism)
 - (2) গঠনবাদ (Constructivism)
 - (3) বহু বুদ্ধিমত্তা (Multiple Intelligence)
 - (4) সংগঠন বা অবয়ববাদ (Structuralism)

144. 'রূপ কেন্দ্রিক ভাষা ইনপুট' ('form oriented language inputs') কী নির্দেশ করে ?
- (1) ভাষা শিখনের জন্য ইনপুটগুলির অর্থ
 - (2) শব্দভাণ্ডার, উচ্চারণ এবং ব্যাকরণের ব্যবহার
 - (3) যে-সব ইনপুট তথ্যের উপর আলোকপাত করে
 - (4) লিখন শেখার জন্য ইনপুটটির সম্ভাবনাময়তা (potential of the input)
145. নিম্নলিখিত কোনটি 'শিখন-উদ্দিষ্ট মূল্যায়ন' বা 'assessment for learning' ?
- (1) শিক্ষণ-শিখন প্রক্রিয়ায় শিক্ষার্থীদের অগ্রগতি নিরীক্ষণ এবং উন্নয়নের উদ্দেশ্যে পরিকল্পিত মূল্যায়ন।
 - (2) বর্ষ-শেষে শিক্ষার্থীদের অগ্রগতি জানা এবং তাদের পাশ করানোর বিবেচনা করার উদ্দেশ্যে পরিকল্পিত মূল্যায়ন।
 - (3) একটি নির্দিষ্ট পর্যায়ে রাজ্য কর্তৃক শিক্ষার্থীদের কৃতি নির্ণয় করার উদ্দেশ্যে পরিকল্পিত মূল্যায়ন।
 - (4) প্রতিটি টার্ম-এর শেষে শিক্ষার্থীদের অগ্রগতি নিরীক্ষণ করার উদ্দেশ্যে পরিকল্পিত মূল্যায়ন।
146. উৎপাদনশীল শব্দভাণ্ডার (Productive vocabulary) কী ?
- (1) যে-সব শব্দ আমরা লেখায় ও বলায় ব্যবহার করি
 - (2) যে-সব শব্দ আমরা শুনে চিনতে বা শনাক্ত করতে পারি
 - (3) যে-সব শব্দ আমরা শনাক্ত করতে ব্যর্থ হই
 - (4) যে-সব শব্দ আমরা শোনার সময় কখনো কখনো স্মরণ (recall) করতে পারি
147. নিম্নলিখিত কোন বিবৃতিটিতে আপনি কবিতা শিক্ষণ-শিখনের জন্য সমর্থন করবেন না ?
- (1) শিক্ষার্থীদের কল্পনাবৃত্তি অনুশীলনের জন্য কবিতা
 - (2) ভাষা নিয়ে কাজ করার জন্য কবিতা
 - (3) আনন্দ প্রাপ্তির জন্য কবিতা
 - (4) ব্যাকরণ শেখানোর জন্য কবিতা
148. ভাষা ব্যবহার করে শিক্ষক শ্রেণিকক্ষে বিভিন্ন বিষয়বস্তু (content) উপস্থাপন এবং শিক্ষার্থীদের সঙ্গে যোগাযোগ করছেন। ভাষাগত এই দক্ষতাটি কী হিসেবে পরিচিত ?
- (1) বুনিয়াদি আন্তঃব্যক্তিক যোগাযোগ দক্ষতা (Basic Interpersonal Communication Skills)
 - (2) বাস্তব জীবনের প্রয়োজনানুগ ভাষা (Language for real-life purposes)
 - (3) ভাষা নিরুক্তি বা ভাষা রেজিস্টার
 - (4) জ্ঞানীয় বিদ্যায়তনিক ভাষা কুশলতা (Cognitive Academic Language Proficiency)

149. প্রদত্ত বিবৃতিটি কোন শ্রেণির ব্যাকরণগত জ্ঞানকে নির্দেশ করে ?

রূপ বা গঠন (form) সম্পর্কে জ্ঞান, সেগুলি বর্ণনা এবং সীমিত অনুশীলনের মধ্যে প্রয়োগ করতে পারা।

- (1) পারংগমতা (Competence)
- (2) অধি-জ্ঞানীয় (Metacognitive) জ্ঞান
- (3) প্রণালি বা প্রক্রিয়াগত (Procedural) জ্ঞান
- (4) ঘোষণামূলক (Declarative) জ্ঞান

150. নিম্নলিখিত কার্যভারটি কীসের সঙ্গে জড়িত ?

শিক্ষার্থীদের একটি হোটেলের মেনু বা খাদ্য তালিকা দেওয়া হলো। তাদের 1800 টাকার মধ্যে চার জনের জন্য খাবার অর্ডার করতে হবে। এদের মধ্যে একজন নিরামিষভোজী, এবং আর একজনের মাশরুমে অ্যালার্জি হয়। এর মধ্যে অটোরিক্সায় ঘরে ফেরার জন্য 70 টাকা বাঁচিয়ে রাখতে হবে। শিক্ষার্থীরা কী খাবার অর্ডার করবে, তাদের পছন্দ-অপছন্দ এবং হস্টেলে ফেরার জন্য টাকা বাঁচানো নিয়ে কথাবার্তা বলছে।

- (1) উচ্চস্তরীয় চিন্তন দক্ষতা (Higher)
- (2) (ভাষা) অধ্যয়ন-নিয়োজন-চিন্তন-ব্যবহার (Study-Engage-Reflect-Use)
- (3) শিক্ষাতাত্ত্বিক নীতি (Cognitive strategies)
- (4) ভাষা উপস্থাপন-অনুশীলন-উৎপাদন (Present-Practice-Produce)

- o o o -

SPACE FOR ROUGH WORK

prepp
Your Personal Exam Guide

নিম্নলিখিত নির্দেশগুলি মন দিয়ে পড়ুন :

1. বিভিন্ন ধরনের প্রশ্নের উত্তর নির্বাচনের জন্য যে নির্দেশ পরীক্ষা পুস্তিকায় দেওয়া রয়েছে, প্রশ্নের উত্তর নির্বাচনের পূর্বে তা মনোযোগ সহকারে পড়ুন।
2. প্রতিটি প্রশ্নের চারটি বিকল্প উত্তরের মধ্যে সঠিক উত্তর হিসেবে (OMR) উত্তর পত্রে কেবল একটিমাত্র বৃত্তকেই নীল / কালো বল পয়েন্ট পেন দিয়ে ভরাট করতে হবে। একবার উত্তর চিহ্নিতকরণ হয়ে গেলে, তা আর বদলানো যাবে না।
3. পরীক্ষার্থীকে অবশ্যই মনে রাখতে হবে যে, (OMR) উত্তর পত্রটিতে কিছুতেই ভাঁজ ফেলা চলবে না, অন্য কোনো রকম দাগ লাগানো চলবে না। পরীক্ষার্থী তার ক্রমিক সংখ্যাটি (Roll No.) নির্ধারিত স্থান ছাড়া অন্য কোনোখানেই উল্লেখ করবেন না।
4. পরীক্ষা পুস্তিকা এবং (OMR) উত্তর পত্র সাবধানতার সঙ্গে নাড়াচাড়া করবেন। কোনো কারণে তা খারাপ বা নষ্ট হলে দ্বিতীয় পরীক্ষা পুস্তিকা দেওয়া হবে না। শুধুমাত্র পরীক্ষা পুস্তিকা এবং (OMR) উত্তর পত্রের কোড নম্বরের মধ্যে অমিল থাকলেই দ্বিতীয় পরীক্ষা-পুস্তিকা দেওয়া হবে।
5. পরীক্ষার্থী হাজিরা-পত্রে (Attendance Sheet) ঠিক মতো পরীক্ষা পুস্তিকা/(OMR) উত্তর পত্রে মুদ্রিত পরীক্ষা পুস্তিকার কোড নম্বরটি লিখবেন।
6. মেশিন কেবলমাত্র (OMR) উত্তরপত্রে দেওয়া সংকেতই পড়তে পারবে। তাই কোনো তথ্য অসম্পূর্ণ রাখা চলবে না এবং প্রবেশপত্রে প্রদত্ত তথ্যের সাথে তার কোনো পার্থক্য থাকবে না।
7. পরীক্ষার্থীকে কেবল প্রবেশ পত্র বা Admit Card ছাড়া অন্য কোনো পাঠ্য বস্তু, ছাপা বা হাতে-লেখা, কাগজের টুকরো, পেজার, মোবাইল ফোন, বৈদ্যুতিক উপকরণ বা অন্য কোনো দ্রব্য নিয়ে পরীক্ষা হল-এ ঢুকতে দেওয়া হবে না।
8. মোবাইল, বেতার যোগাযোগ মাধ্যম (এমনকী নিষ্ক্রিয় করে রাখা মোবাইল) এবং অন্যান্য নিষিদ্ধ বৈদ্যুতিক উপকরণ পরীক্ষা হলে আনা চলবে না। এই নির্দেশ পালন না করলে তাকে অন্যায় আচরণ হিসেবে গণ্য করা হবে এবং যে কোনো ব্যবস্থা নেওয়া হবে এমনকী তার পরীক্ষা বাতিল করাও যেতে পারে।
9. পরীক্ষা-নিরীক্ষক চাইলে পরীক্ষার্থী তার প্রবেশপত্র তাঁকে দেখাবেন।
10. পরীক্ষা-নিরীক্ষক বা তত্ত্বাবধায়কের অনুমতি ছাড়া পরীক্ষার্থী তার আসন ছেড়ে উঠবেন না।
11. কর্মরত নিরীক্ষকের হাতে নিজের (OMR) উত্তর পত্র জমা না দিয়ে এবং হাজিরা পত্রে দুবার স্বাক্ষর না করে পরীক্ষার্থী পরীক্ষার হল থেকে বেরোবেন না। যদি কোনো পরীক্ষার্থী হাজিরা পত্রে দ্বিতীয় বার স্বাক্ষর না করেন, তবে এটাই ধরে নেওয়া হবে যে তিনি তাঁর (OMR) উত্তরপত্র জমা করেন নি - এবং ব্যাপারটিকে দন্ডনীয় অপরাধ হিসেবে গণ্য করা হবে। পরীক্ষার্থীরা তাদের বাম হাতের বুড়ো আঙ্গুলের ছাপ হাজিরা পত্রে দেওয়া স্থানে অবশ্য লাগান।
12. ইলেকট্রনিক/ হস্তচালিত ক্যালকুলেটর ব্যবহার নিষিদ্ধ।
13. পরীক্ষা হলের মধ্যে পরীক্ষার্থী বোর্ড-নির্ধারিত যাবতীয় নীতি-নিয়ম মেনে চলতে বাধ্য। কোনো রকম অনভিপ্রেত আচরণের বিচার ও তার সিদ্ধান্ত বোর্ডের নিয়ম-অধিনিয়ম অনুযায়ী সম্পন্ন হবে।
14. কোনো রকম পরিস্থিতিতেই পরীক্ষা পুস্তিকা ও (OMR) উত্তরপত্রের কোনো অংশ বিচ্ছিন্ন করা চলবে না।
15. পরীক্ষা শেষ হলে, পরীক্ষার্থী পরীক্ষা-কক্ষ ছাড়ার আগে তাঁর (OMR) উত্তরপত্রটি অবশ্যই কক্ষ-নিরীক্ষকের হাতে জমা দেবেন। পরীক্ষা পুস্তিকাটি অবশ্য জমা করার দরকার নেই - পরীক্ষার্থী সেটা নিজের সঙ্গে নিয়ে যেতে পারেন।

निम्नलिखित निर्देशों को ध्यान से पढ़ें :

1. जिस प्रकार से विभिन्न प्रश्नों के उत्तर दिए जाने हैं उसका वर्णन परीक्षा पुस्तिका में किया गया है, जिसे आप प्रश्नों का उत्तर देने से पहले ध्यान से पढ़ लें।
2. प्रत्येक प्रश्न के लिए दिए गए चार विकल्पों में से सही उत्तर के लिए OMR उत्तर पत्र के पृष्ठ-2 पर केवल एक वृत्त को ही पूरी तरह नीले/काले बॉल पॉइन्ट पेन से भरें। एक बार उत्तर अंकित करने के बाद उसे बदला नहीं जा सकता है।
3. परीक्षार्थी सुनिश्चित करें कि इस OMR उत्तर पत्र को मोड़ा न जाए एवं उस पर कोई अन्य निशान न लगाएँ। परीक्षार्थी अपना अनुक्रमांक OMR उत्तर-पत्र में निर्धारित स्थान के अतिरिक्त अन्यत्र न लिखें।
4. परीक्षा पुस्तिका एवं OMR उत्तर पत्र का ध्यानपूर्वक प्रयोग करें, क्योंकि किसी भी परिस्थिति में (केवल परीक्षा पुस्तिका एवं OMR उत्तर पत्र के कोड या संख्या में भिन्नता की स्थिति को छोड़कर) दूसरी परीक्षा पुस्तिका उपलब्ध नहीं करायी जाएगी।
5. परीक्षा पुस्तिका/OMR उत्तर पत्र में दिए गए परीक्षा पुस्तिका कोड व संख्या को परीक्षार्थी सही तरीके से उपस्थिति-पत्र में लिखें।
6. OMR उत्तर पत्र में कोडित जानकारी को एक मशीन पढ़ेगी। इसलिए कोई भी सूचना अधूरी न छोड़ें और यह प्रवेश-पत्र में दी गई सूचना से भिन्न नहीं होनी चाहिए।
7. परीक्षार्थी द्वारा परीक्षा हॉल/कक्ष में प्रवेश-पत्र के सिवाय किसी प्रकार की पाठ्य-सामग्री, मुद्रित या हस्तलिखित, कागज की पर्चियाँ, पेजर, मोबाइल फोन, इलेक्ट्रॉनिक उपकरण या किसी अन्य प्रकार की सामग्री को ले जाने या उपयोग करने की अनुमति नहीं है।
8. मोबाइल फोन, बेतार संचार युक्तियाँ (स्विच ऑफ अवस्था में भी) और अन्य प्रतिबंधित वस्तुएँ परीक्षा हॉल/कक्ष में नहीं लाई जानी चाहिए। इस सूचना का पालन न होने पर इसे परीक्षा में अनुचित साधनों का प्रयोग माना जाएगा और परीक्षार्थी के विरुद्ध कार्यवाही की जाएगी, परीक्षा रद्द करने सहित।
9. पूछे जाने पर प्रत्येक परीक्षार्थी, निरीक्षक को अपना प्रवेश-पत्र दिखाएँ।
10. केन्द्र अधीक्षक या निरीक्षक की विशेष अनुमति के बिना कोई परीक्षार्थी अपना स्थान न छोड़ें।
11. कार्यरत निरीक्षक को अपना OMR उत्तर पत्र दिए बिना एवं उपस्थिति-पत्र पर दुबारा हस्ताक्षर किए बिना परीक्षार्थी परीक्षा हॉल/कक्ष नहीं छोड़ेंगे। यदि किसी परीक्षार्थी ने दूसरी बार उपस्थिति-पत्र पर हस्ताक्षर नहीं किए, तो यह माना जाएगा कि उसने OMR उत्तर पत्र नहीं लौटाया है और यह अनुचित साधन का मामला माना जाएगा। परीक्षार्थी अपने बाएँ हाथ के अंगूठे का निशान उपस्थिति-पत्र में दिए गए स्थान पर अवश्य लगाएँ।
12. इलेक्ट्रॉनिक/हस्तचालित परिकलक का उपयोग वर्जित है।
13. परीक्षा हॉल/कक्ष में आचरण के लिए परीक्षार्थी परीक्षण संस्था के सभी नियमों एवं विनियमों द्वारा नियमित हैं। अनुचित साधनों के सभी मामलों का फैसला परीक्षण संस्था के नियमों एवं विनियमों के अनुसार होगा।
14. किसी भी परिस्थिति में परीक्षा पुस्तिका और OMR उत्तर पत्र का कोई भाग अलग न करें।
15. परीक्षा सम्पन्न होने पर, परीक्षार्थी हॉल/कक्ष छोड़ने से पूर्व OMR उत्तर पत्र निरीक्षक को अवश्य सौंप दें। परीक्षार्थी अपने साथ इस परीक्षा पुस्तिका को ले जा सकते हैं।

READ THE FOLLOWING INSTRUCTIONS CAREFULLY :

1. The manner in which the different questions are to be answered has been explained in the Test Booklet which you should read carefully before actually answering the questions.
2. Out of the four alternatives for each question, only one circle for the correct answer is to be darkened completely with **Blue / Black Ball Point Pen** on **Side-2** of the OMR Answer Sheet. The answer once marked is not liable to be changed.
3. The candidates should ensure that the OMR Answer Sheet is not folded. Do not make any stray marks on the OMR Answer Sheet. Do not write your Roll No. anywhere else except in the specified space in the OMR Answer Sheet.
4. Handle the Test Booklet and OMR Answer Sheet with care, as under no circumstances (except for discrepancy in Test Booklet Code or Number and OMR Answer Sheet Code or Number), another set will be provided.
5. The candidates will write the correct Test Booklet Code and Number as given in the Test Booklet/OMR Answer Sheet in the Attendance Sheet.
6. A machine will read the coded information in the OMR Answer Sheet. Hence, no information should be left incomplete and it should not be different from the information given in the Admit Card.
7. Candidates are not allowed to carry any textual material, printed or written, bits of papers, pager, mobile phone, electronic device or any other material except the Admit Card inside the examination hall/room.
8. Mobile phones, wireless communication devices (even in switched off mode) and the other banned items should not be brought in the examination halls/rooms. Failing to comply with this instruction, it will be considered as using unfair means in the examination and action will be taken against the candidate including cancellation of examination.
9. Each candidate must show on demand his/her Admit Card to the Invigilator.
10. No candidate, without special permission of the Centre Superintendent or Invigilator, should leave his/her seat.
11. The candidates should not leave the Examination Hall/Room without handing over their OMR Answer Sheet to the Invigilator on duty and sign the Attendance Sheet twice. Cases where candidate has not signed the Attendance Sheet second time will be deemed not to have handed over the OMR Answer Sheet and dealt with as an unfair means case. **The candidates are also required to put their left hand THUMB impression in the space provided in the Attendance Sheet.**
12. Use of Electronic/Manual Calculator is prohibited.
13. The candidates are governed by all Rules and Regulations of the Examining Body with regard to their conduct in the Examination Hall/Room. All cases of unfair means will be dealt with as per Rules and Regulations of the Examining Body.
14. No part of the Test Booklet and OMR Answer Sheet shall be detached under any circumstances.
15. **On completion of the test, the candidate must hand over the OMR Answer Sheet to the Invigilator in the Hall / Room. The candidates are allowed to take away this Test Booklet with them.**